स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत
स्वच्छता इंसान को महान बनाती है।
शाहजहाँपुर महानगर को आओ हम सब मिलकर स्वच्छ बनायें।
सम्पादक

सांध्य दैनिक
क्रान्ति रत
आर.एन.आई. सं०. 40267/83
डाक पंजि. संख्या एस.जे.एन/055/2024-26

शासकीय विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त
सम्पर्क करे सांध्य दैनिक
क्रान्ति रत
मालखाना रोड
शाहजहाँपुर;(उ0प्र0)
मो0 8601465311
rakeshjeespn@gmail.com

वर्ष 42 अंक 300 हिन्दी सांध्य दैनिक शाहजहाँपुर, सोमवार 17 अगस्त 2026 पृष्ठ - 8 मूल्यः 1 रुपये

'बेटियों के लिए हमारी सरकार'

रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ,(एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 196वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं का तप–त्याग और बलिदान देशवासियों को प्रेरणा देता है। वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमा यूपी के तीनों महिला पीएसी बटालियन में स्थापित हो रही हैं। आगे पढ़ें पूरी खबर... राजधानी लखनऊ में वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उन्होंने रानी अवंती बाई लोधी को 1857 के प्रथम स्वातंत्र्य समर की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया। सीएम योगी ने कहा कि वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि आज वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की

196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में उनकी आयु मात्र 27 वर्ष थी। इतनी कम उम्र में उन्होंने देश की आजादी के संघर्ष में अपना बलिदान देकर मिसाल कायम की। उनका बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्र के लिए समर्पण की प्रेरणा देता है। रानी अवंती बाई के योगदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक सीएम योगी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने में कोई संकोच नहीं किया। रानी अवंती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए संघर्ष किया गया। आज भी हर व्यक्ति श्रद्धा के साथ उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान और बलिदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। तीन महिला पीएसी बटालियन में लगेंगी वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाएं सीएम ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए सरकार ने महिला पीएसी की तीन नई बटालियन के गठन की दिशा में काम आगे बढ़ाया है। इन बटालियनों का नामकरण वीरांगनाओं के नाम पर किया गया है। उन्होंने बताया कि बदायूं में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई वाहिनी का गठन लगभग पूरा हो चुका है। वहां रानी अवंती बाई लोधी की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने की कार्रवाई अंतिम चरण में है। वहीं, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी और गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई के नाम पर महिला पीएसी बटालियन के गठन का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। दोनों स्थानों पर संबंधित वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में भी काम चल रहा है। बेटी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए सरकार प्रतिबद्ध सीएम योगी ने कहा कि एक समय उत्तर प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते थे। वीरांगनाओं के नाम पर किए जा रहे इन कार्यों का उद्देश्य यही है कि उन सवालों पर छाए बादल समाप्त हों। बेटियां सुरक्षित रहें और सम्मान के साथ सिर उठाकर समाज के हर क्षेत्र में काम कर सकें। उन्होंने कहा कि बेटियों के स्वावलंबन के लिए सरकार की योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार इसी विश्वास के साथ महिला सशक्तीकरण के कार्यक्रमों को आगे बढ़ा रही है।

मानसून ने हिमाचल में मचाई तबाही, 118 सड़कें बंद, नुकसान 972 करोड़ के पार, 79 मौतें

शिमला,(एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश से जनजीवन प्रभावित है। 16 अगस्त सुबह तक प्रदेश में 118 सड़कें, 216 पेयजल योजनाएं और 19 बिजली ट्रांसफार्मर प्रभावित हैं। मंडी में सबसे ज्यादा 48 और कुल्लू में 32 सड़कें बंद हैं। 30 जून से 15 अगस्त तक प्राकृतिक आपदाओं में 79 लोगों की मौत हुई, जबकि सड़क हादसों में 104 जानें गईं। मानसून से कुल नुकसान करीब 972.64 करोड़ रुपये दर्ज हुआ है। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कहर थमने का नाम

नहीं ले रहा है। लगातार बारिश से पहाड़ी जिलों में सड़कें बंद होने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और पेयजल योजनाओं के प्रभावित होने का सिलसिला जारी है। राज्य आपातकालीन संचालन केंद्र की 16 अगस्त सुबह 10 बजे की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 118 सड़कें बंद, 19 बिजली ट्रांसफार्मर बाधित और 216 पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। एक दिन पहले शाम की रिपोर्ट में बंद सड़कों की संख्या 103 थी। यानी कुछ ही घंटों में 15 और सड़कें प्रभावित हो गईं। मंडी में सबसे ज्यादा सड़कें बंद बारिश से सबसे अधिक असर मंडी जिले में देखने को मिला है। रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 48 सड़कें बंद हैं। इनमें सराज में 26, थलौट में पांच, सुंदरनगर में चार, जोगिंद्रनगर में एक, पधर में नौ, धर्मपुर में एक और सरकाघाट में दो सड़कें शामिल हैं।

इसके अलावा गोहर में तीन और करसोग में नौ सड़कें भी बंद बताई गई हैं। मंडी के बाद कुल्लू में 32 सड़कें बंद हैं। बंजार में 12, कुल्लू में आठ, आनी में चार और निरमंड में आठ सड़कें प्रभावित हैं। चंबा में 11, सिरमौर में आठ, शिमला में सात और कांगड़ा में छह सड़कें बंद हैं। लाहौल–स्पीति में दो और ऊना में चार सड़कें भी प्रभावित हैं।

'दिमागी नक्सल' पर सियासी संग्राम

चिदंबरम बोले– 'मुझे गर्व है', पीएम मोदी ने सावधान रहने के लिए कहा था

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा, श्मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है।श्चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में आगाह किया था। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' संबंधी टिप्पणी पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में नक्सलवाद और माओवाद के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का जिक्र करते हुए 'दिमागी नक्सलियों' को लेकर चेताया था और कहा था कि उनके वैचारिक समर्थक व्यवस्था में घुसपैठ कर नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश कर सकते हैं। च्ड मोदी के बयान के बाद चिदंबरम का पलटवार चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने देश को 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में आगाह किया था। मोदी ने आरोप लगाया था कि ऐसे लोग सिस्टम में घुसपैठ कर चुके हैं और नीतियों में हेरफेर करके समाज के

लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से उन्हें "पहचानने और अलग–थलग करने" की अपील भी की थी। लाल किले से च्ड मोदी ने नक्सलवाद को लेकर चेताया लाल किले की प्राचीर से 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जंगलों में सक्रिय सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन इसके वैचारिक समर्थक हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के अवसर तलाश रहे हैं।

'माओवादी सोच वाले लोगों ने सत्ता के गलियारों में जगह बनाई' प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए चिदंबरम ने एक्स पर लिखा, श्मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है!श्

अपनी टिप्पणी में मोदी ने कहा था, श्वर्षों तक माओवादी सोच वाले लोगों ने सत्ता के गलियारों में अपनी जगह बना ली थी। वे सरकारी समितियों में सलाहकार के तौर पर काम करते थे और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित करते थे।श च्ड ने कहा– चुनौती को कम नहीं आंक सकते प्रधानमंत्री ने कहा कि इस चुनौती को कम करके नहीं आंकना चाहिए और इससे निपटने के लिए पहले से कहीं अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दशकों तक चले नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने लाखों युवाओं के जीवन और उनके सपनों को बर्बाद कर दिया।

मुख्यमंत्री ने विधानभवन पर किया ध्वजारोहण

- शहीदों के परिजनों को सीएम ने किया सम्मानित
- स्वतंत्रता दिवस स्वाधीनता संग्राम सेनानियों
- सैनिकों क्रान्तिकारियों के स्मरण का अवसर–योगी
- अब यूपी 'उपद्रव प्रदेश' से बदल कर 'उत्सव प्रदेश' बना –सीएम

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर अन्नदाता किसान के खेत में समृद्धि हो, हर बेटी के सपने को उड़ान मिले, हर गांव में विकास की रोशनी हो और हर नागरिक के जीवन में सम्मान हो, यही डबल इंजन सरकार का संकल्प है। हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने हमें आजादी दिलायी है। अब वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि भारत को समृद्ध, सामर्थ्य और स्वाभिमान की नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। स्वाधीनता हमें विरासत में मिली, लेकिन विकसित भारत का निर्माण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। विकसित भारत तब होगा, जब विकसित उत्तर प्रदेश के लिए सभी सामूहिक रूप से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। विकसित भारत का सपना साकार करने की दिशा में जब 25 करोड़ की आबादी वाला राज्य एक साथ, एक स्वर में, एक साथ चलता दिखाई देगा, तभी स्वाधीनता संग्राम सेनानियों और वीर सैनिकों के योगदान और बलिदान के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।मुख्यमंत्री 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज यहां विधान भवन के समक्ष आयोजित समारोह में ध्वजारोहण करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। ध्वजारोहण के पूर्व राष्ट्रगीत एवं पश्चात राष्ट्रगान का वादन हुआ। कार्यक्रम में 32वीं एवं 35वीं वाहिनी पीएसी तथा मिलिट्री बैण्ड ने अनुशासित एवं आकर्षक प्रस्तुति ने समारोह की गरिमा बढ़ायी। समारोह के दौरान सांस्कृतिककार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। इसमें उत्तर प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ,ध गुजरात तथा बिहार के कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयीं। संस्कृति विभाग के ओर से 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' की भावना को केन्द्र में रखते हुए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। उन्होंने तिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। मुख्यमंत्री ने शौर्य चक्र से अलंकृत शहीद ले. हरी सिंह बिष्ट व ले. कर्नल अमित मोहिन्द्रा के परिजन तथा कर्नल भरत सिंह को सम्मानित किया। उन्होंने वीर चक्र से अलंकृत शहीद नायक राजा सिंह, ऑपरेशन विजय के वीर नायक शहीद मेजर रितेश शर्मा, शहीद एनसी पुताली वायु सेना, शहीद नायक अरुण कुमार त्रिपाठी, शहीद ले कमाण्डर रजनीकान्त यादव, शहीद राजवीर सिंह, सिग्नल मैन शहीद हर्षवध्ान सिंह तथा सेना मेडल से अलंकृत शहीद हवलदार पंकज सिंह, ले कर्नल प्रभांशु सिंह, शहीद रक्षाराम, शहीद दिवाकर तिवारी तथा लांसनायक शहीद बचान सिंह के परिजन को सम्मानित किया। आजादी की लड़ाई उत्तर प्रदेश के बगैर अधूरी समझी जाएगी। प्रदेश में मंगल पाण्डे से लेकर झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, वीरांगना अवंती बाई लोधी, झलकारी बाई कोरी, वीरांगना ऊदा देवी पासी, चन्द्रशेखर आजाद, पं राम प्रसाद बिस्मिल, ठा रोशन सिंह, तात्या टोपे, धन सिंह कोतवाल जैसे अनेक क्रान्तिकारियों की एक लम्बी श्रृंखला है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उत्तर प्रदेश की धरती में स्वाधीनता के बिगुल को प्रथम स्वातंत्र्य समर के रूप में पूरब से पश्चिम तक प्रत्येक जनपद तक पहुंचाने का कार्य इन महान क्रान्तिकारियों और स्वाधीनता संग्राम सेनानियों ने आगे बढ़ाया था, जिसकी परिणति 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वाधीनता के रूप में हम सभी को देखने को मिली है। इंस्पेक्टर सुनील कुमार के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश पुलिस के प्रत्येक उस जवान के शौर्य, कर्तव्य, निष्ठा और बलिदान का एक राष्ट्रीय सम्मान है, जो अपनी जान की परवाह किए बिना प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ लगे और डटे हुए हैं। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर उन्होंने शहीद सुनील कुमार को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। 1947 में हमारे पूर्वजों तथा महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने अंग्रेजी हुकूमत से देश को आजादी दिलाई। परन्तु आजादी की कीमत विभाजन की त्रासदी के रूप में देश को चुकानी पड़ी थी। हमें आजादी तो मिली, लेकिन आजादी के साथ ही अशिक्षा, असमानता, अराजकता, असुरक्षा, गरीबी, पिछड़ापन, पलायन, जातिवाद, छुआछूत, अस्पृश्यता और तुष्टिकरण की समस्या भी इस देश को देकर गई। विगत 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में इन असमानताओं, पिछड़ेपन, गरीबी और अशिक्षा को दूर करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए गये हैं, जिसका परिणाम आज दिखाई दे रहा है। अब बदलते हुए भारत के साथ उत्तर प्रदेश रुक नहीं सकता। उत्तर प्रदेश ने भी उस परिवर्तन में स्वयं को शामिल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम अपने डेमोक्रेटिक डिविडेंड को डेवलपमेंट इंजन के रूप में बदल रहे हैं। जेन–जी और जेन–अल्फा के लिए एआई, मशीन लर्निंग, सेमीकण्डक्टर, स्टार्टअप इकोसिस्टम, डाटा सेंटर, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, साइबर, रोबोटिक, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एग्रीटेक, फिनटेक, डीपटेक, मेडटेक जैसे क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ कार्य आगे बढ़ाया गया है। इससे निवेश, नवाचार और एम्प्लॉयमेंट के नए–नए द्वार खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध करवाने के लिए ब्याज और गारंटी मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रत्येक मण्डल मुख्यालय पर स्पोर्ट्स कॉलेज, प्रत्येक जिले में स्टेडियम, प्रत्येक ब्लॉक में मिनी स्टेडियम, प्रत्येक गांव में खेल का मैदान और ओपन जिम का निर्माण कराया जा रहा है।आज उत्तर प्रदेश का युवा पलायन की समस्या से मुक्त हो चुका है। आज विश्व के सामने भारत एक नई शक्ति के रूप में एक नई ऊर्जा और नए आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। उत्तर प्रदेश ने भी विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय के माध्यम से अपनी इस यात्रा को नई ऊंचाइयां प्रदान करना प्रारम्भ किया है। एक्सप्रेस–वे से एयरपोर्ट तक, डिजिटल इण्डिया से आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस तक, कृषि से उद्योग की इस यात्रा में युवा शक्ति से स्टार्टअप शक्ति तक, डिफेन्स मैन्युफैक्चरिंग से लेकर डीप टेक तक प्रदेश ने विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित करने प्रारम्भ किए हैं। उत्तर प्रदेश आज केवल बदल नहीं रहा, बल्कि देश के अंदर बदलाव की दिशा को भी तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। कानून व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार के साथ अब प्रदेश उत्तर प्रदेश 'उपद्रव प्रदेश' से बदल कर 'उत्सव प्रदेश' बना है। उत्तर प्रदेश अब सुशासन के एक नये मॉडल की तरफ आगे बढ़ा है, जहां पर अब कोई बीमारू राज्य के रूप में यूपी की गिनती नहीं करता, बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन के रूप में उत्तर प्रदेश की गिनती होती है। विगत 9 वर्षों उत्तर प्रदेश का बजट तीन गुना बढ़ा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को तीन गुना बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति तीन गुना बढ़ी है। वीमेन वर्क फोर्स का योगदान भी तीन गुना बढ़ा है। अब उत्तर प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया नहीं।

मुख्यमंत्री ने किया सांस्कृतिक दलों के कलाकारों को सम्मानित

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधान भवन के समक्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विभिन्न सांस्कृतिक दलों के कलाकारों को आज यहां अपने सरकारी आवास पर सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' थीम के अन्तर्गत विधान भवन के समक्ष देश की विविध सांस्कृतिक परम्पराओं का भव्य संगम देखने को मिला। जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, छत्तीसगढ़, बिहार एवं गुजरात के कलाकारों तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कलाकारों ने अपनी विशिष्ट लोक एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया।मुख्यमंत्री ने विभिन्न राज्यों एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए कलाकारों से संवाद किया। उन्होंने कलाकारों से उनके प्रदेश, टीम में सम्मिलित कलाकारों की संख्या, उत्तर प्रदेश में उनके अनुभव तथा यहां के विभिन्न स्थलों के भ्रमण की इच्छा के बारे में जानकारी प्राप्त की। विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने उत्तर प्रदेश में उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओं, प्रशिक्षण, खान–पान एवं आतिथ्य की सराहना की। जम्मू एवं कश्मीर से आई श्रुति ठाकुर से संवाद करते हुए उनकी टीम के बारे में जानकारी ली। उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन की इच्छा व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कलाकारों की अयोध्या यात्रा की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए।महाराष्ट्र से आए ओंकार भास्कर रोकड़े ने उत्तर प्रदेश में मिली सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं की सराहना की। कलाकार केवल गायन, वादन, नृत्य या नाटक प्रस्तुत करने वाले नहीं हैं, बल्कि वे लोक परम्परा और लोक संस्कृति के वाहक हैं। लोक परम्परा में अतीत सुरक्षित रहता है और भविष्य उसी अतीत से प्रेरणा प्राप्त करता है। इसलिए कलाकारों को अधिक से अधिक महत्व देते हुए प्रत्येक आयोजन से जोड़ना आवश्यक है। अयोध्या में दीपोत्सव एवं रामनवमी, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, बरसाना में रंगोत्सव, बुन्देलखण्ड में आल्हा की परम्परा तथा प्रयागराज के माघ मेले जैसे आयोजनों के माध्यम से प्रदेश की विविध सांस्कृतिक परम्पराओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। बुन्देलखण्ड की वीर रस की इस गौरवशाली परम्परा को और मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। मथुरा के कलाकारों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि कलाकार लोक परम्पराओं को जीवन्त रखने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री गृह एवं सूचना संजय प्रसाद अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति अमृत अभिजात निदेशक संस्कृति संजय कुमार सिंह तथा निदेशक सूचना विशाल सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में मनाया गया 80वांस्वतंत्रता दिवस

लखनऊ,संवाददाता। नवयुग कन्या महाविद्यालय राजेन्द्र नगर लखनऊ में 80वां स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के द्वारा झंडारोहण किया गया। इस अवसर एन. सी. सी. के कैडेटों द्वारा झंडे को सलामी दी गयी और भारत माता की जय के उद्घोष से महाविद्यालय परिसर गुंजायमान हो गया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गयीं एन .सी .सी. की कैडेट शुभी द्वारा कविता, ऐ हिंद तू आजादहै आजाद रहेगा, जवानों के बदोलत हिंदुस्तान जिंदा है,सुनाई। बी. एस. सी की छात्रा श्रेया और अन्य छात्राओं ने समूह नृत्य तेरा हिमालय प्रस्तुत किया। तिरंगा गीत पर नृत्य बी .काम. की छात्रा पूर्वी और शैली द्वारा प्रस्तुत किया गया। उत्कर्षा एवं समूह के द्वारा मैं नये भारत का चेहरा हूं नृत्य प्रस्तुत किया गया। मेजर डा मनमीत कौर सोढ़ी ने उच्च शिक्षा निदेशक मोनिका सिंह के संदेश का वाचन किया। एन. सी. सी. की कैडेट सिद्धी और नैन्सी द्वारा जयतु जननी भारतुम,जयतु जंबूद्वीप भूमि भारतंम सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया।

सहज–सरल लेकिन इरादों के 'अटल' थे पूर्व प्रधानमंत्री: सीएम योगी

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा निवेदित करते हुए लोकभवन स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अटलजी का छह दशक का सार्वजनिक जीवन निर्विवाद और निष्कलंक रहा। वह भारतीय राजनीति के अजातशत्रु के रूप में 'राष्ट्र सर्वोपरि' के भाव के साथ निरंतर कार्य करते रहे। सार्वजनिक जीवन की शुरुआत उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में कश्मीर मेंध्ारा–370 लगाए जाने के विरोध में सत्याग्रह से प्रारंभ की थी। सीएम योगी ने कहा कि सांसद, विदेश मंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रधानमंत्री की अलग–अलग भूमिकाओं में भी उनके लिए सदैव 'राष्ट्र प्रथम' रहा। वह भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, नेता सदन, प्रधानमंत्री समेत किसी भी पद पर रहे हों, लेकिन उनका जीवन का ध्येय केवल 'राष्ट्र प्रथम' था। जब–जब भी आवश्यकता पड़ी, उन्होंने दल से ऊपर देश को महत्व दिया। कांग्रेस ने जब देश पर इमरजेंसी थोपी थी तो उन्होंने जनसंघ का जनता पार्टी में विलय करते हुए आपातकाल से मुक्ति के आंदोलन में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। 1962, 1965, 1971 के युद्ध में उन्होंने सरकार को कटघरे में खड़ा करने की बजाय सरकार के साथ जिम्मेदार सांसद के रूप में खड़े होकर राष्ट्र की सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने में अपना योगदान दिया।भारत की राजनीति मेंअस्थिरता के दौर को रोकने और राजनीतिक स्थिरता के माध्यम से सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कैसे कदम उठाए जा सकते हैं, अटल जी ने राजनीतिक समन्वय के माध्यम से 1996–98 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एनडीए का निर्माण करके जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज भी भारत की राजनीति में प्रासंगिक बना हुआ है। एनडीए भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में सहयोगी दलों के साथ मिलकर निरंतर देश, राज्यों के अंदर विभिन्न सरकारों का संचालन करते हुए सुशासन के लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है। अटल जी जितने ही सहज व सरल थे, उतने ही इरादों के 'अटल' भी थे। कारगिल संघर्ष के दौरान दुनिया ने अटल जी के दृढ़संकल्प का लोहा माना। उस समय अटल जी ने कहा था कि हम पर युद्ध थोपा गया है, जिसका हम मुंहतोड़ जवाब देंगे। दुनिया की हर ताकत के सामने झुके बिना अटल जी ने भारत को एटॉमिक पावर के रूप में स्थापित किया।

पेट दर्द को अक्सर सामान्य गैस समझना जोखिम भरा हो सकता है क्योंकि नाभि से दाहिने निचले हिस्से की ओर दर्द का खिसकना अपेंडिसाइटिस का गंभीर क्लिनिकल संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार इस पेन माइग्रेशन पैटर्न के साथ मतली और बुखार जैसे लक्षणों को पहचानकर समय पर डॉक्टरी जांच कराना सर्जरी की जटिलताओं से बचाव के लिए अनिवार्य है। अपेंडिक्स के लक्षण और उपचार।

अधिकतर लोगों को अक्सर पेट दर्द की शिकायत होती है। वैसे कभी–कभार यह गैस, कब्ज या अपच के कारण होता है और कुछ समय के बाद ठीक हो जाता है। अगर यह दर्द पहले नाभि के आसपास महसूस हो रहा है और कुछ घंटों के अंदर पेट के निचले दाहिने हिस्से में जाकर तेज और चुभने वाला बन जाए, तो यह सामान्य दर्द नहीं भी हो सकता है।

गेस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के मुताबिक, यह पैटर्न एक्यूट अपेंडिक्स यानी अपेंडिक्स में सूजन का क्लासिक संकेत हो सकता है। वैसे जरुरी नहीं कि यह लक्षण हर मरीज में हो। इसलिए सही समय पर डॉक्टर से जांच करा लें।

नाभि से दाईं ओर दर्द क्यों खिसकता है?

छभ्ै के मुताबिक अपेंडिक्स बड़ी आंत से संबंधित एक छोटी उंगली जैसी थैली होती है, जो पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्थित रहती है। शुरुआती स्टेज में जब अपेंडिक्स में सूजन शुरु होती है, तो दर्द नाभि के आसपास वाले हिस्से में महसूस होती है। जैसे–जैसे पेट में सूजन बढ़ती है और पेट की अंदरुनी परत प्रभावित होती है, दर्द अपनी वास्तिवक जगह यानी दाहिने निचले हिस्से में स्पष्ट और अधिक तेज महसूस होने लगता है। इसे मेडिकल साइस में पेन माइग्रेशन कहा जाता है और यह अपेंडिसाइटिस का महत्वपूर्ण क्लिनिकल संकेत माना जाता है।

क्या यह अपेंडिसाइटिस हो सकता है?

छभ्ै के अनुसार, अगर दर्द के साथ भूख कम लगना, मतली, उल्टी, हल्का बुखार और चलने या खांसने पर दर्द बढ़ना जैसे लक्षण हों, तो अपेंडिसाइटिस की संभावना अधिक हो सकती है। वैसे कुछ मरीजों में शुरुआत में दर्द सहन वाला होता है, लेकिन कुछ घंटों बाद यह दर्द लगातार बढ़ जाता है। गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट के अनुसार 12 से 24 घंटे के अंदर दर्द का बढ़ना और महिलाओं में लक्षण अलग हो सकते हैं, इसलिए समय रहते हुए डॉक्टर को जरुर दिखाएं।

अपेंडिसाइटिस के लक्षण क्या है?

दर्द का पेट की दाईं और खिसकना

वैसे यह दर्द नाभि से शुरु होकर कुछ घंटों के अंदर पेट दर्द के निचले दाहिने हिस्से में पहुंच जाता है और अधिक तेज हो जाता है। इसमें कई बार व्यक्ति को चलने में भी परेशानी होती है।

खांसने या हिलने पर दर्द बढ़ना

अपेंडिक्स में व्यक्ति हल्की एक्टिविटी, जैसे खांसने या झटका लगने पर भी दर्द की तीव्रता बढ़ जाती है। वैसे कई बार दर्द इतना असहनीय होता है कि व्यक्ति बैठने या करवट लेने में भी परेशानी महसूस करता है।

भूख कम लगना

आपको अचानक से खाने की इच्छा कम हो जाती है। यह अपेंडिक्स में सूजन का संकेत हो सकता है। व्यक्ति को खुद–ब–खुद खाने की इच्छा कम होती है। इसके साथ ही, वह कमजोरी महसूस करने लगता है।

मतली और उल्टी

इस स्थिति में व्यक्ति को पेट दर्द के साथ जी मिचलाना या उल्टी होना आम लक्षण है। इसमें व्यक्ति को खाने के बाद ही अजीब महसूस होने लगता है और उल्टी आने लगती है।

हल्का बुखार

अक्सर इस समस्या में हल्का बुखार जरुर आता है, जो कि स्थिति गंभीर होने पर तेज भी हो सकता है। कुछ व्यक्ति को बुखार के साथ पेट फूलने की समस्या देखने को मिलती है।

अगर अपेंडिसाइटिस का इलाज न कराया जाए, तो क्या होगा?

मैयाक्लीनिक के अनुसार, अगर अपेंडिक्स में लगातार सूजन रहने पर वह फट सकता है।

जिसके बाद बैक्टीरिया पूरे पेट में फैल जाता है और पेट की अंदरूनी परत में पेरिटनाइटिस नामक गंभीर संक्रमण हो सकता है। वहीं, देखा जाता है कि कुछ मरीजों में पेट के भीतर पस (।इेबमे) भी बन जाती है। अगर संक्रमण खून में फैल जाए, तो सेप्सिस जैसी जानलेवा स्थिति विकसित हो सकती है। यही कारण है कि डॉक्टर अपेंडिसाइटिस के मामलों में समय सर्जरी (।चचमदकमबजवउल) या जरुरत अनुसार एंटीबायोटिक उपचार की सलाह दी जाती है। इसलिए पेट का दर्द पहले नाभि के आसपास शुर होकर धीरे–धीरे निचले दाहिनए हिस्से पर होने लगे, तो इसे बार–बार गैस या अपच समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह अपेंडिसाइटिस का महत्वपूर्ण संकेत हो सकता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सावन के दौरान हरे रंग का सांस्कृतिक महत्व और आधुनिक सौंदर्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण करते हुए ग्रीन स्मोकी आई मेकअप को एक प्रभावी फेस्टिवल लुक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। इसमें त्वचा की रंगत के अनुसार सटीक शेड्स के चयन और ब्लेंडिंग की सूक्ष्म तकनीकों पर प्रकाश डाला गया है जो आपके लुक को निखारते हैं। वाटरप्रूफ उत्पादों और प्राइमर का सही उपयोग मानसून के दौरान मेकअप की दीर्घायु सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

सावन के महीने में हरे रंग के कपड़े से लेकर हरी चूड़ियां पहनने का खास महत्व माना जाता है। हिंदू धर्म में सावन के महीने में हरे रंग को खुशहाली और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसलिए महिलाओं हरी साड़ी, सूट, चूड़ियां और ज्वैलरी पहनना पसंद करती हैं। खासकर आप आई मेकअप करती हैं, अपने आउटफिट के साथ मैच करके, तो आपका पूरा लुक और भी अट्रेक्टिव नजर आएगा। इसलिए आप ग्रीन स्मोकी आई मेकअप ट्राई जरुर करें।

हरियाली तीज, सावन की पूजा या किसी भी त्योहार के मौके पर आप इस तरह का आई मेकअप जरुर करें। वैसे यह सही शेड, सही ब्लेंडिंग और कुछ आसान टिप्स की मदद से खूबसूरत ग्रीन स्मोकी आई मेकअप कर सकते हैं। आइए आपको बताते हैं कैसे ग्रीन स्मोकी आई मेकअप कर सकते हैं।

सबसे पहले आंखों की तैयारी करें

दरअसल, आई मेकअप शुरु करने से पहले आपको अपनी आंखों की अच्छे से सफाई करनी होगी। फिर आंखों के आसपास की त्वचा को साफ करें। इसके बाद थोड़ा–सा मॉइश्चराइजर लगाएं। अब प्राइमर अप्लाई कर सकते हैं। यदि प्राइमर नहीं है, तो आप हल्का–सा कंसीलर लगाकर थोड़ा–सा कॉम्पैक्ट पाउडर लगा सकते हैं। इससे आईशैडो ज्यादा देर तक टिका रहे।

सही ग्रीन शेड चुने

असल में सभी ग्रीन कलर हर किसी की आंखों पर एक जैसे बिल्कुल नजर नहीं आते हैं। ब्राइट स्किन टोन पर एमरल्ड ग्रीन और ऑलिव ग्रीन ट्राई करें। वहीं, सांवली रंगत पर फॉरेस्ट ग्रीन, बॉटल ग्रीन और डीप ग्रीन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

कैसे करें ग्रीन स्मोकी आई मेकअप

– इसके लिए आप पलकों की क्रीज पर लाइट ब्राउन या न्यूड आईशैडो लगा लें। इससे बाकी कलर्स आसानी से ब्लेंड हो जाएंगे।

– अब पलकों के बीच वाले हिस्से पर ग्रीन आईशैडो लगाएं।

ब्रश से धीरे–धीरे थपथपाते हुए कलर लगाएं। ध्यान रहे कि आपको रगड़ना नहीं है।

– इसके बाद आंखों के बाहरी कोने पर डार्क ग्रीन या ब्लैक आईशैडो लगाकर हल्के हाथ से ब्लेंड करें। यह आपको एकदम स्मोकी लुक देगा।

– अब आप सबसे जरुरी प्रॉसेस करनना है, वो है ब्लेंडिंग। आपको जहां दो शेड नजर आए, तो वह क्लीन ब्लेंडिंग ब्रश से हल्के हाथों से ब्लेंड कर लें। ध्यान रहे कि शेड आपस में मिक्स हो जाए।

– इसके बाद वॉटरलाइन पर ब्लैक काजल अप्लाई करेंगे। चाहें तो ऊपर पतला–सा आईलाइनर भी लगा सकते हैं। अब आप किसी छोटे ब्रश से काजल को थोड़ा–सा स्मज कर लें। इसके बाद आपका स्मोकी इफेक्ट और भी सुंदर लगेगा।

– आप नीचे की लैश लाइन पर भी थोड़ा–सा ग्रीन आईशैडो लगाकर ब्लेंड कर लें। इसी स्टेप से आपकी आंखें बेहद ही खूबसूरत लगेंगी।

– आई मेकअप पूरा होने के बाद आप अच्छी क्वालिटी का मस्कारा जरुर लगाएं।

मेकअप को रखें सिंपल

जब आपकी आंखों का मेकअप बोल्ड है, तो आपको बाकी मेकअप सिंपल ही रखना है।

– बेस मेकअप सिंपल रखें।

– पीच या न्यूड ब्लश लगाएं।

– न्यूड, पीच या लाइट पिंक लिपस्टिक यूज कर सकते हैं।

किस आउटफिट के साथ अच्छा लगेगा स्मोकी आई मेकअप लुक?

ग्रीन स्मोकी आई मेकअप ग्रीन साड़ी, ग्रीन अनारकली सूट, लहंगा, सिल्क या कॉटन साड़ी या गोल्डन या ऑफ व्हाइट ड्रेस इन सभी कपड़ो के साथ काफी अच्छा लगता है।

लॉन्ग लास्टिंग आई मेकअप टिप्स

– हमेशा आई प्राइमर का यूज करें।

– क्रीमी आईशैडो के ऊपर पाउडर आईशैडो अप्लाई करें, ऐसा करने से मेकअप ज्यादा देर तक चलता है।

– बरसात के मौसम में वॉटरप्रूफ काजल, आईलाइनर और मस्कारा ही लगाएं।

– आई मेकअप पूरा होने के बाद मेकअप सेटिंग स्प्रे जरुर लगाएं। – यदि आपकी ऑयली स्किन है, तो पहले पलकों पर थोड़ा–सा लूज पाउडर लगाएं।

सम्पादकीय

भारत के बंटवारे का जिम्मेदार कौन?

1947 में महान भारत का बंटवारा बिना किसी सुनियोजित और ठोस प्रशासनिक व्यवस्था के तथा अनावश्यक जल्दबाजी में कर दिया गया। नतीजतन इस अफरा–तफरी में दस लाख हिन्दू, सिख, मुस्लिम अपनी जानें गंवा बैठे। 21 लाख लोग लापता हो गए। लाखों महिलाओं की अस्मत लूटी गई। दो करोड़ लोगों को अपनी पुरखों की जमीन–जायदाद को सदा के लिए छोड़कर बेघर, बे–चिराग और खानाबदोशों की तरह भटकते हुए पाकिस्तान से भारत और भारत से पाकिस्तान जाना पड़ा। रास्तों में मजहबी जुनून के पागलपन के शिकार काफिलों पर हमले करते, लूटते और कइयों को मार देते। इस जुल्मो सितम का सबसे बड़ा सामना अखंड भारत की बेटियों को करना पड़ा। कई महिलाओं ने कुंओं में छलांगें लगाकर अपनी जान दे दी और कई लोगों ने अपनी पत्नी और बेटियों को अपने ही हाथ से मार डाला ताकि वो गैर–मर्द के हाथ न लगें। जो लोग रेल गाडियों में बैठकर आ रहे थे उनको भी बड़ी बर्बरता के साथ डिब्बों में ही कत्ल कर दिया गया। अमृतसर का रेलवे स्टेशन इस खून–खराबे का चश्मदीद गवाह है। विश्व के इतिहास में इस तरह की क्रूरता कभी देखने को नहीं मिली। जंगली समाज में भी इस तरह की कत्लो गारत शायद नहीं हुई होगी, जितनी सभ्य समाज के लोगों ने कर दिखाई। भारत में सरकारें तो बदलती थीं पर लोग अपने–अपने स्थानों पर ही रहते थे इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब सरकार के बदलने से लोगों को अपना देश भी बदलना पड़ा। जब हिन्दू, मुसलमान और सिख कई शताब्दियों से शांतिपूर्ण वातावरण में प्यार मोहब्बत और आपसी सहयोग से रह रहे थे आज भी रह रहे हैं तो फिर बंटवारे की जरूरत क्या थी? इस हैरत अंगेज दुखदायी और अफसोस नाक मंजर के लिए समूची मानवता शर्मिंदा है आखिर भारत के बंटवारे के लिए कौन जिम्मेदार है? ब्रिटिश हुकूमत, मुस्लिम लीग या कांग्रेस? भारत के राजनीतिक रूप से बुरी तरह विभाजित होने के कारण दूसरे देशों से आक्रमणकारियों को इस सोने की चिडिया को लूटने और फिर लंबा शासन करने का मौका मिला। संकीर्ण जातीय व्यवस्था ने सामाजिक एकता में बिखराव पैदा कर दिया। संघर्षमय जीवन की बजाय पलायनवादी सोच बुरी तरह मानसिकता पर हावी हो गई। समाज की रक्षा के लिए केवल एक विशेष वर्ग को लडने का अधिकार था।और विदेशियों ने हमारी कमियों, कमजोरियों का खुलकर फायदा उठाया और हम लंबे समय तक गुलामी की जंजीरों में जकड़े रहे। हमारी कमजोरियों का फायदा उठाकर अंग्रेजों ने भारत पर कब्जा कर लिया। उनके साथ फ्रांसिसी और पुर्तगाली भी अलग–अलग इलाकों के शासक बन बैठे। 1857 में प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अंग्रेजों ने भारत पर शासन करने की नीति बदल ली और लोगों को एक सूत्र में पिरोने की बजाय बांटो और राज करो की नीति अपनानी शुरू कर दी। अंग्रेजों ने कांग्रेस को कमजोर करने के लिए एक नई साजिश रची जिसके दूरगामी दुष्प्रभाव हुए। 1906 में अलीगढ़ मुस्लिम स्कूल के अंग्रेज प्रिंसीपल विलियम आर्क बोल्ड के द्वारा आगा खां के नेतृत्व में कुछ मुस्लिम नेताओं को निमंत्रित किया गया और यहीं पर लार्ड मिंटो के नाम एक पत्र तैयार किया गया जिसमें मुस्लिम नेताओं ने ब्रिटिश हुकूमत को अपनी वफादारी का आश्वासन देते हुए कहा कि वह भविष्य में इस भावना को और बढ़ाएंगे और रिश्तों को मजबूत करेंगे और उन्हें अलग विशिष्ट राजनीतिक पहचान दी जाए और निचले स्तर से लेकर असैंबली तक उनके लिए अलग निर्वाचक मंडल बनाया जाए। यह पत्र शिमला में वायसराय को दिया गया और उसके आश्वासन के पश्चात 1906 में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई और देश में मुसलमान मुस्लिम लीग के सदस्य बनने लगे। मुस्लिम लीग ने द्वि–राष्ट्र सिद्धांत का खुलकर लोगों में प्रचार किया कि हिंदू और मुसलमान दो सम्प्रदाय नहीं बल्कि राष्ट्र है इस सिद्धांत को ब्रिटिश पार्लियामैंट के सांसद लार्ड एकटन ने 19वीं शताब्दी के तीसरे दशक में प्रतिपादित किया था। भारत में इस सिद्धांत को सबसे पहले सर सैयद अहमद खां ने 1887 में मेरठ के जलसे में पेश किया था जिसका धीरे–धीरे प्रचार होने लगा। इस सिद्धांत का सबसे ज्यादा दुरुपयोग मोहम्मद अली जिन्ना और अल्लामा इकबाल ने किया, जिससे समूचे समाज में साम्प्रदायिकता का विष फैलने लगा और बंटवारे का एक कारण भी बना। कांग्रेस एक तरफ देश की आजादी की लड़ाई लड़ रही थी दूसरा सर्वधर्म समभाव के लिए संघर्षरत थी। तीसरा अंग्रेजों के क्रूर कानूनों को खत्म करने के लिए संघर्ष कर रही थी, चौथा मुस्लिम लीग की साम्प्रदायिकता को रोकने की कोशिश कर रही थी। पांचवां सभी लोगों को एक सूत्र में रखने की कोशिश में तल्लीन थी परंतु दूसरी तरफ मोहम्मद अली जिन्ना भारत के समूचे मुसलमानों के प्रतिनिधित्व का अधिकार मुस्लिम लीग के लिए मांग रहे थे। जो सामाजिक और राजनीतिक हित में नहीं था। इस कशमकश के दौरान भारत के महान सपूत, स्वतंत्रता सेनानी और आर्य समाज के प्रसिद्ध नेता लाला जगत नारायण ने छुआछूत को दूर करने के लिए लाहौर में एक बड़ा प्रीति भोज का आयोजन करके समाज सुधार की एक नई क्रांति को जन्म दिया। दूसरी तरफ देश को तोडने के लिए जिन्ना अंग्रेजों से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद ले रहे थे। आखिर अंग्रेजों की बंटवारे की चाल चल गई और जिन्ना और मुस्लिम लीग ने लोगों के इकठ्ठे रहने के सपनों पर पानी फेर दिया। कांग्रेस आखिरी दम तक बंटवारे के विरुद्ध थी। हकीकत में देश के बंटवारे के लिए अंग्रेज और मुस्लिम लीग जिम्मेदार हैं।

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है हरेली तिहार

बाबा मायाराम

हाल ही में छत्तीसगढ़ में हरेली तिहार मनाया गया। यह तिहार खेती–किसानी से जुड़ा है, और इसमें किसान उनके कृषि औजारों व पशुधन की पूजा करते हैं। यह प्रकृति, हरियाली और खेती किसानों के प्रति सम्मान दर्शाता है। यह मनुष्य के साथ प्रकृति के अटूट रिश्ते को भी बताता है, जिसमें वह प्रकृति का संरक्षण करते हुए अपना पालन–पोषण भी करता रहा है। आज इस कॉलम में इसी पर विस्तार से बात करना चाहूंगा। यह पर्व सावन की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार भी हमारे अन्य त्योहारों की तरह खेती–किसानी, पशुधन, हरियाली और गांव– किसान से जुड़ा हुआ है। इस त्योहार पर खेती किसानी के औजारों व पशुधन की पूजा की जाती है। किसान अच्छी फसल की कामना करते हैं। हरेली का अर्थ हरियाली से है, जिसकी आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। जलवायु बदलाव के दौर में इसकी शिद्दत से महसूस की जा रही है। हमारे देश के अधिकांश तीज–त्योहार खेती–किसानी से जुड़े हुए हैं। पोला, अक्ति और नवाखाई और दीपावली भी खेती से जुड़े हैं। अक्ति त्योहार पर गांवों में किसान चना, तिवरा, मसूर, उड़द और महुआ को भूनकर लाई बनाते हैं, ठाकुरदेव की पूजा करते हैं। इसी मौके पर धान के दानों को छींटकर नागर के लोहे से जोता जाता है। किसान घरों से धान बीज बांस की टोकरियों में लेकर खेत जाते हैं और सांकेतिक रूप से धान को बोते हैं। यह पारंपरिक है, सालों से कर रहे हैं। यह बीजों के आदान– प्रदान, बीजों की विविधता और संरक्षण का किसानों का तरीका है। इसी प्रकार, दिवाली पर गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल–बक्खर जैसे कृषि–औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है– ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है। इस दिवाली में समस्त जीव–जगत के पालन का विचार था। यह दिवाली लोगों को आपस में जोड़ती है। खेती के साथ मिट्टी–पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए देश भर बिना रासायनिक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। इन प्रयासों में राज्य और केन्द्र सरकार के साथ किसान और गैर–सरकारी संस्थाएं भी प्रयास कर रही हैं।इस प्रक्रिया के तहत समुदाय आधारित बीज बैंक बनाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ में भी ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं। ओडिशा में देसी बीज सुरक्षा मंच की पहल ने किसानों को जैविक खेती की ओर मोड़ा है। उन्हें जैव खाद व जैव कीटनाशक बनाने का प्रशिक्षण दिया है। देसी बीज बैंक बनाए हैं, जिससे देसी बीजों की सुरक्षा के साथ–साथ उनका संवर्धन भी हो रहा है। इससे मिट्टी–पानी का संरक्षण भी हो रहा है और खेती में लागत खर्च कम हो रहा है और लोगों को जैविक उत्पाद व जैविक भोजन उपलब्ध हो रहा है। इसी प्रकार, उत्तराखंड की विविधता आधारित बारहनाजा पद्धति भी काफी उपयोगी है। इस पद्धति के प्रचार–प्रसार में लगे बीज बचाओ आंदोलन के विजय जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा का शाब्दिक अर्थ बारह अनाज है, पर इसके अंतर्गत बारह से ज्यादा अनाज आते हैं। इसमें दलहन, तिलहन, शाक–भाजी, मसाले व रेशा सभी शामिल हैं। मंडुआ बारहनाजा परिवार का मुखिया कहलाता है। असिंचित व कम पानी में यह अच्छा होता है। पहले मडुंवा की रोटी ही लोग खाते थे, जब गेहूं नहीं था। पोषण की दृष्टि से यह भी बहुत पौष्टिक है। वे आगे बताते हैं कि बारहनाजा मिश्रित फसल पद्धति है, जिसमें खरीफ की फसलें होती हैं। इस पद्धति में मिट्टी के साथ रिश्ता है। मंडुवा, रामदाना, कुट्टू ज्यादा ताकत लेते हैं। इसलिए दलहन की फसलें लगाई जाती है। यह मिट्टी को उपजाऊ बनाने का काम करती हैं। दालों से नत्रजन मिलता है। यह सब किसानों ने अपने अनुभव से करके सीखा है। इन अनाजों में कोदा (मंडुवा), मारसा (रामदाना), ओगल (कुट्टू), जोन्याला (ज्वार), मक्का, राजमा, गहथ (कुलथ), भट्ट (पारंपरिक सोयाबीन), रैयास (नौरंगी), उड़द, सुंटा, रगड़वांस, तोर, मूंग, भगंजीर, तिल, जख्या, सण (सन), काखड़ी इत्यादि। इसकी फसलें अलग–अलग होते हुए भी एक दूसरे की सहायक हैं। रामदाना, मंडुवा, ज्वार ऊपर की तरफ बढ़ते हैं। बेलवाली दालें उससे लिपट जाती हैं। एक दूसरे को सहारा देती हैं। नियंत्रित करती हैं और उन्हें बढ़ाने में सहायक होती है।यह खेती बिना लागत वाली है। बीज खुद किसानों का होता है, जिसे वे घर के बिजुड़े (पारंपरिक भंडार) से ले लेते हैं और पशुओं व फसलों के अवशेष से जैविक खाद मिल जाती है, जिसे वे अपने खेतों में डाल देते हैं। परिवार के सदस्यों की मेहनत से फसलों की बुआई, निंदाई–गुड़ाई, देखरेख व कटाई सब हो जाती हैं। इसके अलावा निंदाई–गुड़ाई के लिए कुदाल, दरांती, गैंती, फावड़ा आदि की लकड़ी भी पास के जंगल से मिल जाती है। गांव के लोग ही खेती के औजार बनाते थे। वे आगे बताते हैं कि पहले बारहनाजा के बीज सभी किसान रखते हैं। खाज खाणु अर बीज धरनु (खाने वाला अनाज खाओ किन्तु बीज जरूर रखो)। बिना बीज के अगली फसल नहीं होगी। बीजों को सुरक्षित रखने के लिए तोमड़ी (लौकी की तरह ही) का इस्तेमाल किया जाता था। जलवायु परिवर्तन हो रहा है, यह असलियत है। लेकिन बारहनाजा में इसका मुकाबला करने की क्षमता बारहनाजा में है, ऐसा अनुभव रहा है। जैसे अगर ज्यादा बारिश होती है।

, सूखा होता है या जंगली जानवर का आक्रमण होता है तो इनसे अगर कुछ फसलों का नुकसान होता है तो उसकी पूर्ति दूसरी फसलों से हो जाती है। बारहनाजा की फसलों से प्रकृति को बिना नुकसान पहुंचाए पैदावार बढ़ाई जा सकती है, पर्यावरण व मित्र जीवों की रक्षा की जा सकती है। इससे पशुपालन व कृषि का समन्वय किया जा सकता है, इसमें खेती की लागत भी बहुत कम है। इससे गांवों में स्थायी, टिकाऊ खेती से आजीविका व भोजन सुरक्षा की जा सकती है। साथ ही दीर्घकालीन दृष्टि रखकर मिट्टी, पानी का संरक्षण भी किया जा सकता है। हमारी देश की जलवायु, जैव विविधता और पर्यावरण खेती के लिए अनुकूल है। हरेली तिहार जैसे हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। प्रकृति का, मिट्टी–पानी, पर्यावरण और जैव विविधता का संरक्षण करते हुए आजीविका का भी संरक्षण किया जा सकता है और हमारी भाईचारा बढ़ाने वाली व प्रकृति के साथ समन्वय करने वाली कृषि और उसकी संस्कृति भी बचेगी। यह मनुष्य के साथ प्रकृति के अटूट रिश्ते को भी बताता है, जिसमें वह प्रकृति का संरक्षण करते हुए अपना पालन–पोषण भी करता रहा है। आज इस कॉलम में इसी पर विस्तार से बात करना चाहूंगा। यह पर्व सावन की अमावस्या के दिन मनाया जाता है। यह त्योहार भी हमारे अन्य त्योहारों की तरह खेती–किसानी, पशुधन, हरियाली और गांव– किसान से जुड़ा हुआ है। इस त्योहार पर खेती किसानी के औजारों व पशुधन की पूजा की जाती है। किसान अच्छी फसल की कामना करते हैं। हरेली का अर्थ हरियाली से है, जिसकी आज पहले से कहीं ज्यादा जरूरत है। जलवायु बदलाव के दौर में इसकी शिद्दत से महसूस की जा रही है। हमारे देश के अधिकांश तीज–त्योहार खेती–किसानी से जुड़े हुए हैं। पोला, अक्ति और नवाखाई और दीपावली भी खेती से जुड़े हैं। अक्ति त्योहार पर गांवों में किसान चना, तिवरा, मसूर, उड़द और महुआ को भूनकर लाई बनाते हैं, ठाकुरदेव की पूजा करते हैं। इसी मौके पर धान के दानों को छींटकर नागर के लोहे से जोता जाता है। किसान घरों से धान बीज बांस की टोकरियों में लेकर खेत जाते हैं और सांकेतिक रूप से धान को बोते हैं। यह पारंपरिक है, सालों से कर रहे हैं। यह बीजों के आदान– प्रदान, बीजों की विविधता और संरक्षण का किसानों का तरीका है। इसी प्रकार, दिवाली पर गाय, बैल आदि सभी जानवरों को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल–बक्खर जैसे कृषि–औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल आ जाती है– ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है। इस दिवाली में समस्त जीव–जगत के पालन का विचार था। यह दिवाली लोगों को आपस में जोड़ती है। खेती के साथ मिट्टी–पानी और पर्यावरण का संरक्षण करते हुए देश भर बिना रासायनिक व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत किसानों को केंचुआ खाद, हांडी खाद और जैव कीटनाशकों को तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इससे खेती में लागत खर्च कम हुआ है, मिट्टी में सुधार हुआ है, और उत्पादन बढ़ा है। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए इलाके में प्रशिक्षणकर्ता तैयार किए हैं, जो किसानों को जैविक खाद व जैव कीटनाशक तैयार करने के लिए प्रशिक्षण देते हैं। इन प्रयासों में राज्य और केन्द्र सरकार के साथ किसान और गैर–सरकारी संस्थाएं भी प्रयास कर रही हैं।इस प्रक्रिया के तहत समुदाय आधारित बीज बैंक बनाए जा रहे हैं।

2036 ओलंपिक के लिए देशभर में टैलेंट हंट

गांव–गांव जाकर खेल प्रतिभाओं को तलाशेगी सरकार, पीएम मोदी का बड़ा एलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में 2036 ओलंपिक की तैयारियों को लेकर बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि 5 से 15 वर्ष की उम्र के बच्चों में खेल प्रतिभा तलाशने के लिए गांव–गांव और स्कूल–स्कूल टैलेंट हंट चलाया जाएगा। प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे। भारत अपनी स्वतंत्रता के 80 साल पूरे होने के अवसर पर जश्न मना रहा है। 1947 में मिली आजादी के बाद से हर साल देश का मुख्य समारोह लाल किले पर होता है। आज भी पीएम मोदी ने लाल किले पर ध्वजारोहण करने के बाद परेड की सलामी ली। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से 13वीं बार देशवासियों को संबोधित करते हुए खेल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों के लिए प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए गांव–गांव टैलेंट हट चलाया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा, श्आज भारत खेल की दुनिया में जगह बना रहा है। भारत का राष्ट्रगान आज दुनिया में हर पोडियम में सुनाई देता है। टॉप्स योजना ने इसे काफी बढ़ावा दिया है। खेलो इंडिया गेम्स, स्पोर्ट्स के लिए कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसिन, आदि में युवाओं के लिए काफी जगह बनी है। हम 2036 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर उभर रहे हैं।श खेल की दुनिया में भारत बना रहा अपनी जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत खेल की दुनिया में अपनी जगह बना रहा है। उन्होंने कहा, श्हम अक्सर अपना राष्ट्रगान सुनते हैं और बहुत बार तिरंगे को ऊंचा होते देखते हैं। टॉप्स योजना ने बड़ी सफलता हासिल की है। चाहे खेलो इंडिया गेम्स हों, यूनिवर्सिटी गेम्स, बीच गेम्स, विंटर गेम्स, खेल प्रशिक्षण, स्पोर्ट्स मेडिसिन या स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, भारत बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।श 2036 ओलंपिक की मेजबानी के मजबूत दावेदार पीएम मोदी ने कहा कि भारत का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है और वह 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए मजबूत दावेदार है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, श्ओलंपिक में करीब 40 खेल विधाएं और लगभग 350 स्पर्धाएं होती हैं। यह दुखद है कि हम इनमें से कम से कम दो–तिहाई स्पर्धाओं में हिस्सा तक नहीं ले पाते, क्योंकि हम क्वालिफाई ही नहीं कर पाते।श 2036 तक तीन–चौथाई स्पर्धाओं में भाग लेने का लक्ष्य उन्होंने कहा कि भारत को अपने खेल आधार को व्यापक बनाने और यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि 2036 ओलंपिक में खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा खेल विधाओं में प्रतिस्पध र्ा करने के लिए तैयार रहें। कम उम्र में प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें विकसित करने के लिए टैलेंट हंट इसी व्यापक प्रयास का हिस्सा होगा। पीएम मोदी ने कहा, श्हमने तय किया है कि 2036 में हमें कम से कम तीन–चौथाई स्पर्धाओं में हिस्सा लेना चाहिए। हम पांच से 15 साल की उम्र के बच्चों के लिए देशव्यापी टैलेंट हंट शुरू कर रहे हैं। पांच से 15 उम्र के बच्चों में प्रतिभा ढूंढने के लिए गांव–गांव, स्कूल–स्कूल एक टैलेंट हंट चलाया जाएगा, ताकि देश के हर कोने में प्रतिभाओं की पहचान की जा सके।

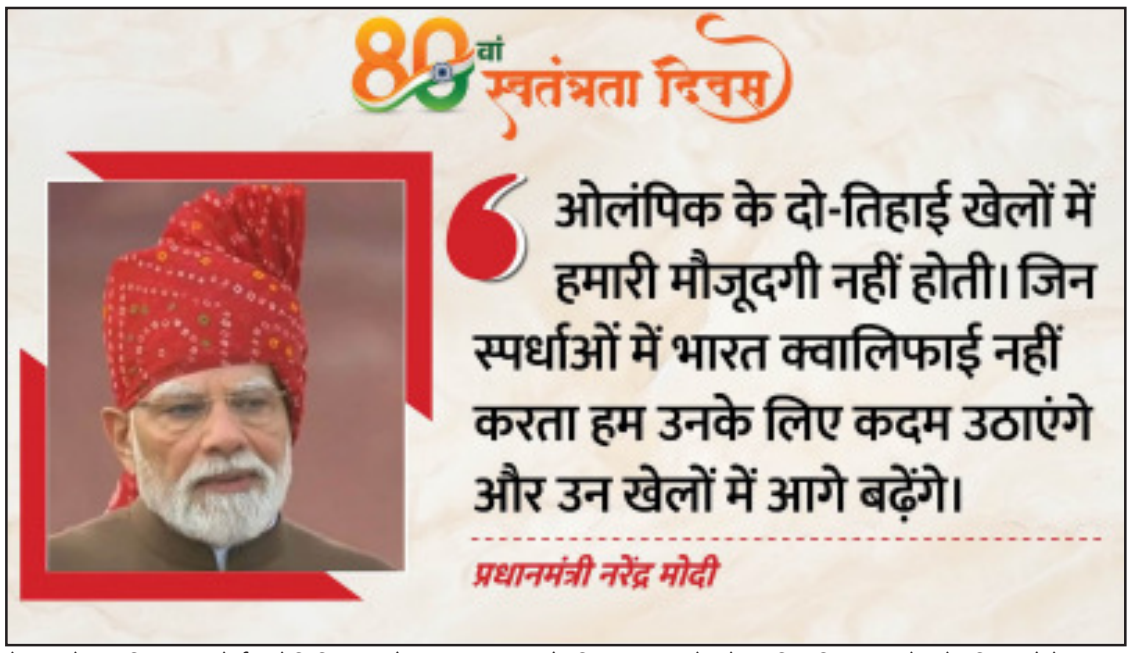

खिलाड़ियों में भारी उत्साह

वर्ल्ड बैडमिंटन चौंपियनशिप 2026 की मेजबानी इस बार भारत कर रहा है। इसको लेकर भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों के साथ–साथ फैंस में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। यह प्रतिष्ठित चौंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। दुनिया के दिग्गजों की मौजूदगी में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पीवी सिंधु ने बताया क्यों खास है आयोजन स्टार भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने कहा कि भारत में वर्ल्ड चौंपियनशिप का आयोजन होना बेहद खास है। उन्होंने बताया कि 2019 में खिताब जीतने के बाद, लगभग सात साल बाद उन्हें एक बार फिर बेहतरीन प्रदर्शन करने की उम्मीद है। जापान ओपन के प्रदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। सिंधु का कहना है कि वे एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रही हैं और घरेलू दर्शकों के समर्थन का पूरा फायदा उठाकर पदक जीतने का प्रयास करेंगी। युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी की प्रतिक्रिया भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने इस टूर्नामेंट को सभी खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच बताया। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के बीच मुकाबला करना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। भारत में इस चौंपियनशिप का आयोजन होना उनके लिए इसे और भी खास और यादगार बना देता है। थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसर्न भी उत्साहित थाईलैंड के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी कुनलावुत विटिडसर्न ने भारत आने पर अपनी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वे एक बार फिर भारत आकर बेहद खुश हैं और इस बड़े टूर्नामेंट में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्नति हुड्डा की बढ़ी हुई है उत्सुकता पहली बार वर्ल्ड चौंपियनशिप में भाग ले रहीं भारतीय खिलाड़ी उन्नति हुड्डा ने भी अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अपने करियर की पहली वर्ल्ड चौंपियनशिप अपने ही देश में खेलना उनके लिए बेहद रोमांचक है। वे इस प्रतियोगिता का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं और एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर आगे बढ़ना चाहती हैं।

9 विकेट से हराकर रचा इतिहास

बांग्लादेश ने रविवार को यहां दुनिया की नंबर एक टीम ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन ही नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। यह उसकी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी धरती पर पहली और कुल मिलाकर दूसरी जीत है। बांग्लादेश की पहली पारी में महत्वपूर्ण अध र्शतक बनाने वाले मेहदी हसन मिराज ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर उसे 284 रन पर आउट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस तरह से ऑस्ट्रेलिया केवल 56 रन की बढ़त ही हासिल कर पाया। कैमरन ग्रीन ने अपना तीसरा टेस्ट शतक और ऑस्ट्रेलिया में अपना पहला शतक बनाया। उन्होंने 201 गेंदों में 104 रन बनाए लेकिन इससे ऑस्ट्रेलियाई पारी की हार ही टाल पाया। बांग्लादेश के सामने केवल 57 रन का लक्ष्य था लेकिन उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। जोश हेजलवुड ने पहली पारी में शतक लगाने वाले तंजीद हसन को शून्य पर आउट कर दिया, लेकिन शादमान इस्लाम (नाबाद 25) और मोमिनुल हक (नाबाद 30) ने संयम बनाए रखते हुए अपनी टीम को 14.2 ओवरों में लक्ष्य तक पहुंचा दिया। बांग्लादेश की यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। ऑस्ट्रेलिया अपनी पहली पारी में केवल 198 रन ही बना सका, जिसमें स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश ने पिच के सपाट होने का फायदा उठाते हुए 426 रन बनाए और 228 रन की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। ग्रीन के शानदार शतक के बावजूद ऑस्ट्रेलिया पहली पारी के खराब प्रदर्शन से नहीं उभर पाया। इस तरह से बांग्लादेश ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इससे पहले उसने 2017 में ढाका में ऑस्ट्रेलिया को हराया था। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार उसके 149 साल के टेस्ट इतिहास में घर पर हुई सबसे अपमानजनक पराजय में से एक है। इससे अब चयनकर्ताओं पर 22 अगस्त से क्वींसलैंड राज्य के मैकाय में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले टीम में बदलाव करने का काफी दबाव होगा।

रक्षा मंत्रालय 1577 करोड़ में खरीदेगा हथियार, क्या भारत में जल्द बनेगा फाइटर जेट का इंजन?

नई दिल्ली। भारत की स्वतंत्रता दिवस से पहले देश की सुरक्षा को लेकर दो अहम फैसले किए गए। रक्षा मंत्रालय ने चुनौतियों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले हाइब्रिड हथियारों की खरीद का फैसला लिया है। सरकार के मुताबिक इस समझौते के बाद खरीदे जाने वाले हथियारों से देश की सेना और ताकतवर बनेगी। एक अन्य अहम फैसले में भारत में स्वदेशी फाइटर जेट के इंजन का उत्पादन करने की दिशा में पहल की गई है। रिलायंस और रॉल्स–रॉयस के बीच साझेदारी का एलान हुआ है। जानिए क्या हैं रक्षा क्षेत्र से जुड़े दोनों बड़े घटनाक्रम टाटा और निबे के साथ रक्षा मंत्रालय ने किया समझौता रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की ताकत को और अध्िक मजबूत करने के लिए दो प्रमुख कंपनियों के साथ लगभग 1,577 करोड़ रुपये के अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए। नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में शुक्रवार को हुए इस समझौते के तहत टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड और निबे प्राइवेट लिमिटेड से लोइटर म्यूनिशन सिस्टम (हाइब्रिड हथियार), गोला–बारूद और अन्य सहायक उपकरणों की खरीद की जाएगी। लोइटर म्यूनिशन सिस्टम को विशेष रूप से आर्टिलरी रेजिमेंट (तोपखाना रेजिमेंट) की मारक क्षमता को बढ़ाने और सेना की समग्र परिचालन क्षमता को सुदृढ़ करने के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। क्या है लोइटर म्यूनिशन सिस्टम इसे आम बोलचाल में सुसाइड ड्रोन भी कहते हैं। यह दुश्मन के ठिकानों का सटीक पता लगाता है और मौका मिलते ही उनसे टकराकर तबाह कर देता है। इससे सेना की सटीकता और क्षमता को कई गुना बढ़ा देगी। घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को प्रोत्साहन इस पूरी खरीद को श्बाय (इंडियन)श श्रेणी के तहत फास्ट–ट्रैक प्रक्रिया के माध्यम से अंजाम दिया जा रहा है। इससे घरेलू रक्षा विनिर्माण क्षमताओं को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। मंत्रालय के अनुसार, यह कदम भारतीय रक्षा उद्योगों को आधुनिक और सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम मील का पत्थर है, जो आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और बढ़ावा देगा। रिलायंस करेगी रॉल्स–रॉयस के साथ साझेदारी देश के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम के लिए स्वदेशी लड़ाकू इंजन बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रॉल्स–रॉयस के साथ साझेदारी का एलान किया है। यह देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की कंपनी और मशहूर ब्रिटिश एयरो इंजन बनाने वाली कंपनी की ओर से देश में ही फाइटर–जेट प्रोपल्शन क्षमता विकसित करने की दिशा में बड़ा प्रयास है। भारत में बनेगा स्वदेशी फाइटर जेट का इंजन दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि वे भारत में एक विशेष एयरोस्पेस गैस टर्बाइन कॉम्प्लेक्स बनाने की संभावना तलाशेंगी।

वेल्स पर भारतीय हॉकी टीम की शानदार जीत

एम्सटलवीन (नीदरलैंड)। भारत ने हॉकी विश्व कप के अपने पहले मुकाबले में वेल्स को 3–1 से हराकर जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शुरुआती मैच में जीत के साथ तीन अंक हासिल करना महत्वपूर्ण था और टीम आगे अपनी गलतियों से सीखने की कोशिश करेगी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने वेल्स के खिलाफ हॉकी विश्व कप के शुरुआती मुकाबले में 3–1 की जीत पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के पहले मैच में अच्छे अंतर से जीत दर्ज करना और पूरे तीन अंक हासिल करना टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। कप्तान ने जताई खुशी हरमनप्रीत ने मुकाबले के बाद कहा, श्हमने बहुत अच्छा खेला। हमारा लक्ष्य लगातार मौके बनाना और मैच दर मैच गोल करना है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैन ऑफ द मैच कौन है या गोल कौन कर रहा है। टीम के लिए गोल करना जरूरी है।श कप्तान ने कहा कि विश्व कप की शुरुआत जीत के साथ करना सकारात्मक रहा। उन्होंने कहा, श्अच्छी जीत के साथ शुरुआत करना जरूरी था। हमने 3–1 से जीत हासिल की और तीन अंक लिए, जो अच्छा नतीजा है।श गलतियों से सीखने पर जोर वेल्स ने मैच के अंतिम मिनटों में गोल कर भारत को क्लीन शीट से वंचित कर दिया। इस पर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अपनी गलतियों से सीख लेगी और आगामी मुकाबलों में उन्हें दोहराने से बचने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, श्हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की, लेकिन वेल्स ने भी अच्छा खेला।

फिल्म फ्लॉप हुई तो रोती हुई घर गई सोनाली सहगल

फिल्म श्आर्य भट्ट का जीरोश खुद पर भरोसा और सपनों के लिए संघर्ष की कहानी है। दैनिक भास्कर से बातचीत में सोनाली सहगल, हिमांश कोहली और डायरेक्टर कमल चंद्रा ने ऐसे अनुभव साझा किए, जब लोगों ने उन पर भरोसा नहीं किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। सोनाली ने बताया कि एक फिल्म के फ्लॉप होने के बाद वह कार में रोते हुए घर गई थीं। हिमांश ने कहा कि श्यारियांश के बाद लगातार फिल्में नहीं चलीं तो लगा कि करियर खत्म हो गया। सवालरू फिल्म का संदेश है कि खुद पर भरोसा सबसे जरूरी है। आपकी जिंदगी में ऐसा कब हुआ? जवाबध्सोनाली सहगलरू मेरे अंदर हमेशा आत्मविश्वास था, लेकिन मुझसे ज्यादा भरोसा मेरी मम्मी को था। उन्होंने मेरे मिस इंडिया बनने से पहले ही कहा था कि उनकी बेटी मिस इंडिया बनेगी। लोग हंसते थे, लेकिन उनका विश्वास कभी नहीं डगमगाया। आज मुझे लगता है कि परिवार का एक इंसान भी आप पर पूरा भरोसा करे, तो आधी लड़ाई वहीं जीत जाती है। इसलिए सेल्फ बिलीफ के साथ परिवार का भरोसा भी जरूरी है। सवालरू हिमांश, आपके साथ भी ऐसा कुछ हुआ था? जवाबधहिमांश कोहलीरू बचपन से मुझे फिल्मों का शौक था। जब लोगों से कहता था कि मुझे एक्टर बनना है, तो ज्यादातर लोग सपना छोड़ने की सलाह देते थे। स्कूल में मैंने झूठ बोल दिया कि मैं धारा तेल के विज्ञापन वाला बच्चा हूं। पूरे स्कूल ने भरोसा कर लिया, लेकिन बाद में सच सामने आ गया। इसके बाद मुझे बुलिंग झेलनी पड़ी। सीनियर्स मजाक उड़ाते थे और सजा भी देते थे। तभी मैंने तय किया कि सच में एक्टर बनकर दिखाऊंगा। सवालरू उस घटना ने आपको कितना बदला? जवाबध हिमांश कोहलीरू उस वक्त बहुत बुरा लगा था, लेकिन आज लगता है कि अगर वह घटना नहीं होती तो शायद मैं इतनी मेहनत नहीं करता। मैंने थिएटर शुरू किया, एक्टिंग सीखी और कई संस्थानों में ट्रेनिंग ली। मेरे माता–पिता ने हर कदम पर साथ दिया। आज पुराने दोस्त कहते हैं, श्यार, तूने सच में अपना सपना पूरा कर लिया।श सवालरू परिवार का साथ कितना जरूरी रहा? जवाबधहिमांश कोहलीरू अगर मेरे माता–पिता साथ नहीं देते तो मैं एक्टिंग की पढ़ाई नहीं कर पाता। उन्होंने सिर्फ पढ़ाई नहीं, मेरे सपने पर भी भरोसा किया। वही भरोसा मुझे यहां तक लेकर आया। सवालरू कमल जी, आपकी कहानी भी कुछ ऐसी ही है? जवाबध कमल चंद्रारू बिल्कुल। मैं इंजीनियर था। अच्छी नौकरी थी, लेकिन एक्टिंग वर्कशॉप के बाद लगा कि मुझे फिल्मों में काम करना है। मैंने चार सरकारी नौकरियां छोड़ दीं। रिश्तेदारों ने मना किया, लेकिन पिता ने कहा, श्तूने मेरा सपना पूरा कर दिया, अब अपना सपना जी।श उसी बात ने मुझे कभी पीछे मुड़कर नहीं देखने दिया। हिमांश कोहली ने बताया कि स्कूल में खुद को टीवी विज्ञापन का कलाकार बता दिया था। झूठ पकड़ा गया, लेकिन उसी घटना ने उन्हें एक्टर बनने की जिद दी। हिमांश कोहली ने बताया कि स्कूल में खुद को टीवी विज्ञापन का कलाकार बता दिया था। झूठ पकड़ा गया, लेकिन उसी घटना ने उन्हें एक्टर बनने की जिद दी। सवालरू हिमांश क्या आप भी अपने माता–पिता का कोई अधूरा सपना भी जी रहे हैं? जवाबध हिमांश कोहलीरू बिल्कुल। मेरी मां कलाकार बनना चाहती थीं। उन्हें गायन, पेंटिंग और अभिनय का शौक था, लेकिन कम उम्र में शादी होने से उनका सपना अधूरा रह गया। आज फिल्मों में काम करते हुए लगता है कि मैं अपना ही नहीं, मां का सपना भी पूरा कर रहा हूं। उन्होंने एक बार ऋषि कपूर और जितेंद्र से मिलने की इच्छा जताई थी। जब मैं उन्हें दोनों कलाकारों से मिलवा पाया तो लगा कि मेरी मेहनत सफल हो गई। उनके चेहरे की खुशी मेरे लिए किसी अवॉर्ड से कम नहीं थी। सवालरू कमल जी, आपकी जिंदगी का सबसे भावुक पल कौन–सा रहा? जवाबध कमल चंद्रारू मेरी पहली फिल्म के दौरान महेश भट्ट ने मेरे पिता से फोन पर मेरी तारीफ की थी। फोन कटने के बाद पापा की खुशी देखने लायक थी। उन्होंने कहा, ष्मुझे पता था, मेरा बेटा कुछ अच्छा करेगा।ष माता–पिता की आंखों में अपने लिए गर्व देखना सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। सवालरू श्आर्य भट्ट का जीरोश की कहानी में ऐसी क्या बात थी, जिसने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया? जवाबधहिमांश कोहलीरू मुझे श्बग्गूश का किरदार बहुत पसंद आया। वह सिखाता है कि जिंदगी मंजिल से भटका सकती है, लेकिन सपना और मेहनत नहीं छोड़ें तो एक दिन मंजिल जरूर मिलती है। हालात जैसे भी हों, उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। सवालरू शूटिंग के दौरान सबसे बड़ी सीख क्या मिली? जवाबधहिमांश कोहलीरू इस फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी टीम है। रवि किशन, राजेश शर्मा, गोपाल दत्त, नीरज सूद और बाकी कलाकारों के साथ बातचीत करना एक एक्टिंग स्कूल जैसा था। हर कलाकार अपने संघर्ष और अनुभव साझा करता था। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। डायरेक्टर कमल चंद्रा ने बताया कि उन्होंने इंजीनियरिंग और सरकारी नौकरियां छोड़कर फिल्मों का रास्ता चुना। परिवार के भरोसे ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। सवालरू कमल जी, शूटिंग से जुड़ा कोई दिलचस्प किस्सा? जवाबध्कमल चंद्रारू जिस घर में शूटिंग हुई, उसके मालिक बाद में उसे रेनोवेट करने वाले थे। लेकिन फिल्म पूरी होने के बाद उन्होंने फैसला बदल दिया। उन्हें लगा कि यह घर फिल्म की यादों से जुड़ गया है, इसलिए इसे जैसा है, वैसा ही रहने देना चाहिए। यह हमारे लिए बहुत खास पल था। सवालरू फिल्म का सबसे बड़ा संदेश क्या है? जवाबध्कमल चंद्रारू हर इंसान जिंदगी में कभी न कभी खुद को श्जीरोश महसूस करता है। हमारी फिल्म कहती है कि खुद पर भरोसा और मेहनत बनी रहे, तो वही इंसान एक दिन हीरो बन सकता है। सवालरू सोनाली, आपने श्आर्य भट्ट का जीरोश के लिए हां क्यों कहा? जवाबध्सोनाली सहगलरू मेरे लिए किसी भी फिल्म में सबसे अहम उसकी कहानी होती है। कमल ने स्क्रिप्ट सुनाई तो उसमें बनावटीपन नहीं, बल्कि सच्चाई दिखी। हर किरदार असली लगा और यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। सवालरू रिंकू का किरदार आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था? जवाबध्सोनाली सहगलरू इस फिल्म से पहले मैं अलग जॉनर की फिल्म कर रही थी। वहां मेरा किरदार और दुनिया अलग थे। श्रिंकूश छोटे शहर की साधारण लड़की है, इसलिए उसके हावभाव, बोलने के तरीके और सोच पर अलग तरह से काम करना पड़ा। एक कलाकार के तौर पर यही चुनौती सबसे ज्यादा पसंद आई। सवालरू इस फिल्म में सबसे खास बात क्या लगी? जवाबध्सोनाली सहगलरू मुझे लगा कि इस फिल्म का हर किरदार कुछ न कुछ सिखाता है।

सफलता कैसी भी हो उसके पीछे हमेशा छिपा हुआ रहता है कड़ा संघर्ष. श्मुसाफिर कैफेश वेब सीरीज की एक्ट्रेस महिमा मकवाना भी कड़ी मेहनत और लगन के दम पर आज स्टार बन चुकी हैं. बचपन में काफी तंगी झेलने वाली 26 साल की महिमा की एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं थी. उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी, लेकिन मां के कहने पर वो एक्टिंग फील्ड में आईं. टीवी सीरियल्स के जरिए पहचान बनाई।

सुरेन्द्र पाल ग्रामोदय विद्यालय ने स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों को दिया राष्ट्रप्रेम, संस्कार और ग्रामोदय का संदेश

किशोर भारती एवं बाल भारती के नवनिर्वाचित सदस्यों का हुआ शपथ ग्रहण

चित्रकूट। दीनदयाल शोध संस्थान द्वारा संचालित सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय चित्रकूट में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व हर्षोल्लास, गरिमा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। विद्यालय परिसर में राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत वातावरण के बीच ध्वजारोहण, शपथ ग्रहण एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, महाकौशल प्रांत के ग्राम विकास संयोजक श्री नैनसुख जी रहे। इस अवसर पर मालवा प्रांत के ग्रामीण प्रचारक श्री शोभन परमार जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विशिष्ट अतिथियों के रूप में चित्रकूट के पूज्य संत सीता शरण दास जी महाराज, जानकी महल चित्रकूट तथा पूज्य महंत राघव दास जी महाराज, जानकी महल चित्रकूट उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व छात्र श्री कुलदीप नगाइच ने की। श्री नगाइच वर्ष 2004 बैच के विद्यालय के छात्र रहे हैं और वर्तमान में अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के प्रांत संगठन मंत्री के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। महोबा में निवास करते हुए वे प्रतिष्ठित व्यवसायी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। विद्यालय के पूर्व छात्र द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता करना विद्यालय परिवार के लिए विशेष गौरव का विषय रहा। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री कुलदीप नगाइच ने विद्यालय की किशोर भारती एवं बाल भारती के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराई। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने दायित्वों के प्रति सजग रहते हुए अनुशासन, राष्ट्रभक्ति, सेवा और नेतृत्व के मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि श्री नैनसुख जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वतंत्रता केवल राजनीतिक आजादी का नाम नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और उन्हें ईमानदारी से निभाने का संकल्प भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि ग्राम, समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी प्रतिभा एवं ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करें। विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र श्रीवास्तव जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रप्रेम का भाव बाल्यकाल से ही संस्कारों में विकसित होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सत्य, सेवा, सदाचार और परस्पर सम्मान के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन कर रहे विद्यालय के उप प्राचार्य अशोक दीक्षित ने कहा कि भारत की शक्ति उसकी ग्राम्य संस्कृति, परिवार व्यवस्था और संस्कारों में निहित है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि आधुनिक ज्ञान के साथ भारतीय जीवन–मूल्यों को आत्मसात कर वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। पूज्य महंत राघव दास जी महाराज ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने आचरण से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के पूर्व छात्र श्री कुलदीप नगाइच ने अपने विद्यार्थी जीवन को स्मरण करते हुए कहा कि सुरेंद्र पाल ग्रामोदय विद्यालय ने उन्हें शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना प्रदान की। उन्होंने कहा कि विद्यालय से प्राप्त संस्कार आज भी उनके जीवन की दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति, भारतीय संस्कृति, स्वतंत्रता संग्राम तथा राष्ट्र निर्माण की भावना पर आधारित मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों को भावविभोर कर दिया। कक्षा 12वीं के छात्र अद्वैत मालवीय तथा छात्राएँ दीपिका प्रजापति एवं प्रिया त्रिपाठी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संयोजन एवं प्रस्तुतियों का निर्देशन विद्यालय के संगीत शिक्षक श्री रामराज पांडे द्वारा किया गया।

श्री बालाजी एनक्लेव में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस, वरिष्ठ पत्रकार सम्मानित

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। श्री बालाजी एनक्लेव आरडब्ल्यूए की ओर से कॉलोनी के पार्क में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण समारोह हर्षोल्लास, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया गया। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ओमवीर आर्य एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रध्वज को नमन करते हुए देश की आजादी के लिए बलिदान देने वाले शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। समारोह में वरिष्ठ पत्रकार केपी सिंह और संजय सिंह को सम्मानित किया गया। वहीं, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के ब्रांच मैनेजर हिमांशु त्यागी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह राजकुमार आर्य ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित 'वंदे मातरम्' ने देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को नई ऊर्जा दी। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम्' से जुड़ा इतिहास और आज संसद में इसकी प्रस्तुति प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का विषय है। समारोह में राज सिंह प्रधान, किरणपाल नागर, भगवत भाटी, रमेश बंसल, गजेपाल फौजी, आदित्य शर्मा, गजेंद्र तंवर, एडीओ कृष्णपाल, मनोज भाटी फौजी, सुशील राघव, लीला कृष्ण भाटिया, सुंदरलाल भाटिया, जयप्रकाश शर्मा, मनोज गर्ग, रणवीर टाइगर, जगदीप फौजी, रामू माली, योगेश सुपरवाइजर, छोटेलाल, तुषार भाटी, अरुण भाटी, अनूप लाला, बबलू, डॉ. रामवीर, विनोद नागर एडवोकेट, महेंद्र सिंह एडवोकेट, अजय भाटी, हर्षित आर्य, आदित्य आर्य और व्यास आर्य सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे। अंत में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ओमवीर आर्य एडवोकेट ने सभी कॉलोनीवासियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीदों को नमन किया।

शारदा केयर-हेल्थसिटी ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। शारदा केयर–हेल्थसिटी, ग्रेटर नोएडा की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को ग्रीनवुड फेज–1, स्वर्ण नगरी, सेक्टर–31 में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 1000 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श के साथ रैंडम ब्लड शुगर, हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, ईसीजी, पीएफटी, बीएमडी, आंखों की जांच और बीएमआई सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गईं। स्वास्थ्य जागरूकता वार्ता के बाद श्वसन रोग और हड्डी–जोड़ संबंधी समस्याओं से जुड़े मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों ने परामर्श दिया। इस दौरान रेस्पिरेटरी मेडिसिन के डायरेक्टर डॉ. हरीश वर्मा तथा ऑर्थोपेडिक्स, जॉइंट एंड स्पाइन के डायरेक्टर एवं यूनिट हेड डॉ. पुष्कर चावला ने लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सलाह दी। शारदा केयर–हेल्थसिटी के ग्रुप सीईओ डॉ. कौसर शाह ने कहा कि शिविर का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को सही स्वास्थ्य सलाह उपलब्ध कराना और आवश्यकता पड़ने पर समय पर उचित चिकित्सा सुविधा से जोड़ना भी है। ग्रीनवुड गवर्नमेंट ऑफिसर्स वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने शिविर को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर समाज के लिए सराहनीय पहल बताया। सोसाइटी के सचिव नीलाभ सिंह ने कहा कि शिविर से सोसाइटी के निवासियों के साथ–साथ सुरक्षा गार्ड, माली, सफाईकर्मी और अन्य सहयोगियों को भी स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिला। शिविर के आयोजन पर सोसाइटी के निवासियों ने शारदा केयर–हेल्थसिटी की टीम का आभार जताया। साथ ही ग्रेटर नोएडा की अन्य सोसाइटियों में भी नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच एवं जागरूकता शिविर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर,अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के फलैदा अंडरपास के पास शनिवार शाम 7 बजे एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी।

वाराणसी के एयरपोर्ट पर गोली चलने से मचा हड़कंप, 2 घायल अस्पताल में भर्ती, पुलिस जांच में जुटी

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक यात्री की पिस्टल से अचानक गोली चल गई। गोली जमीन से टकराने के बाद पास खड़े एक महिला और युवक को जा लगी। दोनों घायलों को हरहुआ स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई गई है। जानकारी के अनुसार आजमगढ़ निवासी कमलेश कुमार राय एयर इंडिया की फ्लाइट से मुंबई जाने वाले थे। उनके पास पिस्टल और मैगजीन थी, जिसे उन्होंने एयरपोर्ट पर नियमानुसार डिक्लेयर किया था। इसी दौरान अचानक पिस्टल से गोली चल गई। गोली पहले जमीन से टकराई और उसके बाद पास खड़े दो लोगों को लग गई। गोली लगने से सुमन देवी की जांघ और रोहित राज के हाथ में चोट आई है। एसीपी पिंडरा के अनुसार दोनों घायल एयरपोर्ट के कर्मचारी हैं। घटना के बाद एयरपोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि यात्री द्वारा पिस्टल डिक्लेयर किए जाने के बावजूद गोली किन परिस्थितियों में चली।

इंडियन गैस के एक बेकाबू टैंकर ने 3 वाहनों को मारी टक्कर, दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई

वाराणसी। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के गौर (बांग्लाचट्टी) स्थित नेशनल हाईवे पर रविवार की दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रहे इंडियन गैस के एक बेकाबू टैंकर ने कांवरियों की कार, एक दरोगा की गाड़ी और विधायक लिखी स्कॉर्पियो समेत तीन वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर अफरा–तफरी मच गई और लगभग 5 किलोमीटर लंबा भीषण जाम लग गया। जानकारी के अनुसार, गैस टैंकर प्रयागराज की दिशा से वाराणसी की तरफ जा रहा था। बांग्लाचट्टी के पास चालक नियंत्रण खो बैठा और सबसे पहले कांवरियों से भरी कार में जोरदार टक्कर मारी। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते, टैंकर ने छुट्टी पर जा रहे दरोगा की कार और फिर शविधायकश लिखी स्कॉर्पियो को भी चपेट में ले लिया। राहत की बात यह रही कि इस भीषण दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। कांवरियों की कार में मध्य प्रदेश के

रीवा निवासी शिवम सोनी, सुरेंद्र सोनी, लवली गुप्ता, दिनेश सोनी और चित्रकूट के मोहित सोनी सवार थे, जो सुरक्षित हैं। और दूसरे कार में आजमगढ़ के जहानाबाद में तैनात उप–निरीक्षक लवकुश सोनकर छुट्टी लेकर अपने घर प्रयागराज जा रहे थे। दरोगा के अनुसार, दुर्घटना के समय कार के एयरबैग खुल जाने से उनकी जान बच सकी। जबकि तीसरी कार में वाराणसी के हरहुआ निवासी विकास दुबे अपने साथियों के साथ महाराष्ट्र के नासिक दर्शन के लिए जा रहे थे। गाड़ी में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं। हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से भागने लगा, लेकिन कांवरिया लेन पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे दौड़ाकर दबोच लिया और थाने ले आई। घटना के कारण हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मिर्जामुराद पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन से हटवाकर घंटों बाद यातायात सामान्य कराया।

सरस्वती विद्या मन्दिर तिलहर में मेंहदी प्रतियोगिता संपन्न

कक्षा 11 अम्बिका ने पहला पाया

शाहजहापुर (संजय मिश्रा) राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस के साथ हरियाली तीज पर्व पर सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज तिलहर में मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन संयोजक रेशम मिश्रा शिल्पी सक्सेना व जितेन्द्र मिश्रा के संचालन हुआ जिसमे बडी संख्या में कालेज की छात्राओं ने अपनी कला का प्रतिभाग कर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया ! प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल रेशम मिश्रा, सीता गंगवार शिल्पी सक्सेना द्वारा दिये गये निर्णय के अनुसार कक्षा 11 की अम्बिका , वरिष्का द्वितीय

तथा पल्लवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया कालेज के प्रधानाचार्य डॉ जितेन्द्र चौहान जी ने बच्चों की प्रतिभा को निखारने हेतु प्रोत्साहन एवं आर्शीवाद दिया।

दो आरोपी गिरफ्तार, जेवर और नकदी बरामद

लखीमपुर–खीरी । मैलानी पुलिस ने चोरी की दो वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से चोरी के जेवरात, 19,050 रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और एक अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे हंसपुर चौराहे के पास से सूरज सिंह थापा (निवासी सिंगहिया, पलिया) और युनुस (निवासी महमूदनगर, पलिया) को पकड़ा गया। मैलानी थाने में इन दोनों के खिलाफ चोरी के दो मुकदमे दर्ज थे। पुलिस ने पूछताछ में दोनों की इन घटनाओं में संलिप्तता का दावा किया है। आरोपियों की तलाशी के दौरान एक सोने की चेन, चांदी की एक जोड़ी पायल और 19,050 रुपये नकद बरामद हुए। इसके अतिरिक्त, घटना में प्रयुक्त काले रंग की बजाज पल्सर मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। आरोपी सूरज सिंह थापा के पास से 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस मिलने पर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत एक अलग मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी युनुस के खिलाफ कुल 14 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि सूरज सिंह थापा के खिलाफ चार मुकदमे दर्ज हैं। इन मुकदमों में चोरी, आबकारी अधिनियम, आर्म्स एक्ट और हत्या से संबंधित मामले शामिल हैं। मैलानी पुलिस ने दोनों चोरी के मामलों में बरामदगी के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 317(2) की बढ़ोतरी करते हुए आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की है।

सैकड़ों श्रद्धालु छोटी काशी के लिए कांवड़ लेकर रवाना

लखीमपुर खीरी । निघासन क्षेत्र के ग्राम पंचायत बंगलहा कुट्टी से शुक्रवार को छोटी काशी (गोला गोकर्णनाथ) के लिए विशाल कांवड़ यात्रा रवाना हुई। केसरिया वस्त्रों में सजे सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्हर–हर महादेवश और श्बम–बम भोलेश के जयकारों से पूरे इलाके को शिवमय कर दिया। यात्रा की शुरुआत में कांवड़ियों ने ग्राम पंचायत बंगलहा स्थित मोटे बाबा सरयू नदी के तट पर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की और अपनी सकुशल यात्रा की कामना की। डीजे पर बज रहे भोलेनाथ के भजनों पर थिरकते हुए शिवभक्तों का हुजूम आगे बढ़ा। इस यात्रा में पुरुष, महिलाएं और छोटे बच्चे भी भारी उत्साह के साथ पैदल चलते नजर आए। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल पूरे रूट पर गश्त करता रहा। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने और कांवड़ियों को असुविधा से बचाने के लिए जगह–जगह बैरिकेडिंग की गई थी और वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित किया गया। यात्रा के मार्ग में आने वाले विभिन्न गांवों में ग्रामीणों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। जगह–जगह समाजसेवियों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए थे, जहाँ भक्तों को शीतल जल, फल और प्रसाद वितरित कर उनकी थकान दूर करने का प्रयास किया गया। यह कांवड़ यात्रा गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर संपन्न होगी, जहाँ श्रद्धालु सरयूध्शारदा नदी का पवित्र जल भगवान शिव को अर्पित करेंगे। मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में छोटी काशी में जलाभिषेक करने से भगवान भोलेनाथ भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

ध्वजारोपण व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ धूमधाम मना 80 वां स्वतंत्रता दिवस

शाहजहांपुर (संजय मिश्रा) स्वतंत्रता दिवस की 80 वी वर्षगांठ धूमधाम हर्ष उल्लास पूर्वक मनाया गया इस अवसर सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं में जहां कार्यालय प्रमुखों के द्वारा सुबह आठ बजे राष्ट्रीय ध्वज फहराया और स्वतंत्रता दिवस संदेश सुनाया गयी वही शहरी एंव ग्रमीण क्षेत्रीय स्कूल कॉलेज में ध्वजा रोहण के साथ साथ नन्हे मुन्ने बच्चों ने देश भक्ति से ओतपोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये ! तिलहर के वाल विकास परियोजना कार्यालय पर ध्वजा रोहण से पूर्व आंगवाडी कार्यकत्रियों ने मनमोहक रंगोली बनाई ! सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज तिलहर में स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर विधालय के प्रबन्धक नवीन कुमार गुप्ता जी के द्वारा ध्वजारोपण किया गया रत् उपरान्त कार्यकम की शुरुआत मॉ सरस्वती की वंदना एवं पुष्पार्चन हुई! विधालय की बहनों द्वारा अतिथि स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया जिसमे मानवी वशिष्ठ, अदिति वशिष्ठ, राधिका वशिष्ठ शामिल रही ! जूनियर वर्ग के वंदना प्रमुख श्रेष्ठ अग्रवाल के द्वारा हिन्दी भाषण, खुशी, त्रिशा के द्वारा देश भक्ति गीत व भाषण, एकल, सामूहिक गीत प्रस्तुत कि ये! विधालय के कक्षा 11 के छात्र सार्थक सक्सेना ने अंग्रेजी भाषण तथा कक्षा 7 के आयूष गौरव ने अंग्रेजी भाषण प्रस्तुत किया तथा विधालय कार्यकारी समिति के सदस्य श्रीमान अनुराग सिंह तोमर ने शोषित समाज एवं अंग्रेजों के अत्याचार और कान्तिकारियों के बलिदान पर विचार व्यक्त किये तथा विधालय के प्रबन्धक श्रीमान नवीन कुमार गुप्ता ने स्वतन्त्रता दिवस के बारे में छात्रों को अवगत कराया, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिव स्वरूप गुप्ता ने अपना आर्शीवचन दिया तथा विधालय के प्रधानाचार्य डॉ जितेन्द्र चौहान जी ने आये हुए समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम का समापन वन्देमातरम् के साथ हुआ, विधालय के हिन्दी के आचार्य

मनोज कुमार जी ने छात्रों को आजादी के कर्तव्यों का पालन करने की प्रेरणा से अवगत कराया, कार्यकम में प्रबन्ध समिति के प्रबन्धक श्री नवीन कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष श्री रवीन्द्र सिंह, अंकित अग्रवाल, वरिष्ठ सदस्य श्री प्रभाष सहाय, विजय बहादुर सिंह, शिव कुमार राठौर, मोहित पाठक, श्याम जी अग्रवाल, पूर्व प्रधानाचार्य श्री चिम्मन लाल गंगवार, विजय कुमार वर्मा, विधालय के कोषाध्यक्ष निलय शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा, विधालय के समस्त आचार्य एवं आचार्या, अभिभावक उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता श्रीमान जितेन्द्र मिश्रा ने किया श्रीमती सावित्री देवी धार्मिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय कुंवरगंज तिलहर में ध्वजारोपण के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये तथा स्कूल की तीन जनपद की सूची में स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया! कार्यक्रमों के पश्चात विद्यालय परिसर में छात्र जीतू,हरिओम और दिव्यांश के द्वारा वृक्षासन,चक्रासन,नौकायन आदि का प्रदर्शन किया गया।छात्र दिव्यांश ने 50 हनुमान दंड बैठक लगाकर सभी को हैरान कर दिया।बोर्ड परीक्षा के दौरान जनपद की सूची में चौथा स्थान प्राप्त करने वाली मुस्कान,पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली आरुषि वर्मा तथा दसवां स्थान प्राप्त करने वाली काजल राजपूत को स्मृति चिन्ह और मेडल देकर समिति के अध्यक्ष आचार्य भानु प्रताप मिश्रा,प्रबंधक पंकज गुप्ता सर्राफ सहित सभी ने सम्मानित किया। समारोह के समापन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर उनका उत्साह वर्धन किया गया और मिष्ठान वितरित किया गया।समिति ने इस दौरान पत्रकारों को भी सम्मानित किया। समारोह के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेमदास जी,अध्यापक सचिन वर्मा,अध्यापिका आराधना श्रीवास्तव,समिति की कोषाध्यक्ष विश्वास शर्मा,अधिवक्ता शीलेंद्र मोहन मिश्रा,ईश्वर चंद्र,सोनू पाठक,आदि उपस्थित रहे। लाला बुलाकी दास बाबू राम सहाय हिन्दू महिला इण्टर कॉलेज तिलह शाहजहाँपुर में स्वतंत्रता दिवस के 80 वें पावन पर्व के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्वतंत्रता दिवस पूर्व संध्या पर चला स्वच्छता अभियान

लखीमपुर–खीरी । पसगवां ब्लॉक के केन ग्रोवर्स इंटर कॉलेज, जंगबहादुरगंज में स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में प्रधानाचार्य के नेतृत्व में शिक्षकों और छात्र–छात्राओं ने कॉलेज परिसर की साफ–सफाई की। अभियान के तहत सभी प्रतिभागियों ने झाड़ू और अन्य सफाई उपकरणों का उपयोग कर कक्षाओं, बरामदों, खेल के मैदान और कॉलेज परिसर के आसपास की गंदगी को साफ किया। एकत्र किए गए कूड़े–कचरे को निर्धारित स्थान पर निस्तारित किया गया। प्रधानाचार्य हरिश्चंद्र ने छात्र–छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि 15 अगस्त जैसे राष्ट्रीय पर्व पर हमें देश की आजादी का जश्न मनाने के साथ–साथ अपने आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ और सुंदर बनाना चाहिए। उन्होंने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत के संकल्प को अपनाने का आह्वान किया।शिक्षकों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग और कचरा न फैलाने के लिए प्रेरित किया। छात्र–छात्राओं ने देशभक्ति के गीत गाते हुए सफाई कार्य किया और एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने अपने घर, मोहल्ले और विद्यालय को स्वच्छ रखने तथा दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की शपथ ली। विद्यालय परिवार ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ऐसे आयोजन बच्चों में देशभक्ति के साथ–साथ सामाजिक जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करते हैं।

15 अगस्त को लेकर उत्साह का माहौल,बाजारों में दुकानें सजीं

लखीमपुर खीरी । बेहजम में स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों पर हैं। भूलनपुर क्षेत्र के बाजारों में भी रौनक बढ़ गई है। 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के लिए दुकानों पर विभिन्न प्रकार के तिरंगे झंडे, बैज, टोपी, रिबन, स्टीकर और अन्य देशभक्ति सामग्री बिक्री के लिए सजाई गई है। स्वतंत्रता दिवस को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह है।

सांध्य दैनिक क्रान्ति रत

स्वामी ,प्रकाशक,मुद्रक राकेश चन्द्र श्रीवासतव द्वारा बालाजी प्रिन्टर्स गौतम बुद्ध मार्ग शाहजहाँपुर(उ0प्र0) से मुद्रित एवं मो0 मोहम्मदजई गौतमबुद्ध मार्ग (मालखाना रोड) शाहजहँपुर(उ0प्र0) से प्रकाशित।

– प्रधान सम्पादक–
राकेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो0–9415527512

– सम्पादक–
राजेन्द्र बाबा
मो0– 9044928946

– सह सम्पादक–
रामकुमार बखिया
मो0–9450418490

– उप सम्पादक–
संजय मिश्रा
मो0 –9451838577